(d) CCTV system at Raipur railway station continues to operate and, as at other stations, Doordarshan programmes are not permitted to be screened here also.

As a policy, CCTVs on railway pre mises arc meant to convey important railway messages, arrival and departure of trains etc. and approved short commercial advertisement sPots.

संसद सदस्यों के अतिथियों के लिए आरक्षण कोटा

2692. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली से चलने वाली विभिन्न रेलगाड़ियों में संसद सदस्यों के अतिथियों के लिए आरक्षण कोटे का प्रावधान है ;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक रेलगाड़ी में विभिन्न श्रेणियों की कितनी-कितनी शायिकाओं का आरक्षण कोटा है तथा इस कोटे के आवंटन के लिए क्या मानदंड है; और

(ग) क्या इस प्रकार की कोटा प्रणाली भारत में अन्य रेलवे स्टेशनों पर विद्यमान है, यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री महाबीर प्रसाद) : (क) और (ख) जी नहीं। दिल्ली, नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन स्टेशनों से प्रारम्भ होने वाली गाड़ियों के विभिन्न दर्जों में संसद सदस्यों की सुविधा के लिए आरक्षण कोटा अलग से नियत किया गया है। यह कोटा संसद सदस्यों द्वारा की जाने वाली यात्रा के लिए ही है।

(ग) जी नहीं।

तिब्बती उच्च अध्ययन संस्थान को विश्वविद्यालय का स्तर प्रदान किए जाने की पुष्टि

2693. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार सारनाथ (वाराणसी) स्थित तिब्बती उच्च अध्ययन संस्थान को विश्वविद्यालय के समकक्ष स्तर प्रदान करने पर विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो कब तक ; और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) भारत में तिब्बती विद्या, संस्कृत और बौद्ध धर्म के संरक्षण और उन्नयन के कार्य में लगी हुई संस्थाओं की संख्या कितनी है तथा वह किन-किन स्थानों पर स्थित है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही) : (क) और (ख) केन्द्रीय तिब्बती उच्च अध्ययन संस्थान, सारनाथ को सरकारी राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना सं० एफ० 9-9/86 यू-3 दिनांक 5 अप्रैल, 1988 द्वारा वि० वि० अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) की धारा 3 के अन्तर्गत समझे जाने वाले विश्वविद्यालय के रूप में अधिघोषित कर दिया गया है।

(ग) इस प्रकार की अनेक संस्थायें भारत के विभिन्न भागों में फैली हुई हैं। इनकी पूर्ण सूची न तो सरकार के और न ही किसी अन्य संगठन के पास उपलब्ध है। केन्द्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान सारनाथ, वाराणसी तथा केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह इस मंत्रालय द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित हैं। सिक्किम-तिब्बती विज्ञान अनुसंधान संस्थान, गंगटोक (सिक्किम) तथा तिब्बती पुरातत्व एवं अभिलेख पुस्तकालय, धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) इस मंत्रालय से नियमित रूप से वार्षिक अनुदान प्राप्त करते हैं।

इसके अतिरिक्त पिछले दो वर्षों के दौरान 151 संस्थाओं ने इस मंत्रालय से तदर्थ वित्तीय सहायता के लिए आवेदन किया था तथा इनमें से 79 को अनुदान स्वीकार किए गए थे, जिनका ब्यौरा इस प्रकार है :—

स्थान	आवेदन करने वाली संस्थाओं की संख्या	संस्था जिन्हें सहायता स्वीकृत की गई
आंध्र प्रदेश	3	—
अरुणाचल प्रदेश	2	1
बिहार	16	1
चण्डीगढ़	1	—
दिल्ली	6	6
हिमाचल प्रदेश	7	6
जम्मू और कश्मीर	41	33
कर्नाटक	22	14
मध्य प्रदेश	3	1
महाराष्ट्र	4	1
उड़ीसा	2	—
सिक्किम	16	1
उत्तर प्रदेश	23	12
पश्चिम बंगाल	15	3
कुल :	151	79

Accidents in Railways

2694. PROF. C. LAKSHMANNA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state;

(a) what is the number of accidents that took place in Southern. South Central. Cenral and Western Zones during the last three months;

(b) what are the reasons for Increasing number of accidents in these tones; and

(c) what steps are being taken to avoid such accidents in future?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MAHABIR PRASAD): (a) to (c) Month-wise position of consequential train accidents on Central, southern, South Central and Western Railways during the period May to July 1988 is as under:—

Railway	No. of train accideivs during			
	May 1988	June 1988	July 1988	Total
Central	3,	4	9	16
Souihern	8	2	5	15
South Central	8	6	3	17
Westera	8	7	8	23

The number of accidents has shown a declining trend on the. South Central Railway. On Southern Railway, number of accidents during July 1988 was also less as compared to that in May 1988. On Western Railway too, there has been no increase in accidents. In the case of Central Railway, however, the number of accidents has shown a rising trend. However, out of the 16 accidents during May to July, 1988 on the Central Railway, 14 were cases of derailments mainly of goods trains.

Some of the important steps taken to prevent accidents are:—

(i) Intensification of field inspections by supervisors and officers.

(ii) Formation of multi-disciplinary teams to inspect accident-prone areas and suggest corrective measures.

(iii) Counselling of staff especially Drivers, Assistant Station Masters, etc.

(iv) Revamping training programmes and emphasis on Refresher Courses.